भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1826

जिसका उत्तर 05.12.2024 को दिया जाना है

प्रगति मैदान टनल को चौड़ा करना

1826. श्री रामभुआल निषाद:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को ज्ञात है कि इंडिया गेट और रिंग रोड को जोड़ने वाली प्रगति मैदान टनल में व्यस्त समय के दौरान ट्रैफिक जाम कई गुना बढ़ जाता है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने टनल निकास को चौड़ा करके और टनल से निज़ामुद्दीन ब्रिज मोड़ तक रिंग रोड को कम से कम दो न तक चौड़ा करके यातायात प्रवाह को जाममुक्त करने के लिए कोई योजना बनाई है; और

(ग) यदि हां, तो रिंग रोड के इस हिस्से को कब तक चौड़ा कर दिया जाएगा?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) से (ग) सरकार का सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय मुख्य रूप से राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) के विकास और रखरखाव के लिए जिम्मेदार है। सड़क का यह खंड एनएच नहीं है।

शहरी परिवहन की योजना शहरी नियोजन के साथ जुड़ी हुई है, जो राज्य का विषय है। इस प्रकार, सतत शहरी परिवहन प्रणाली की योजना बनाने की पहल और सड़क पर बढ़ती यातायात की भीड़ को कम करने के लिए किए जाने वाले अन्य उपाय संबंधित शहरों/राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा उठाए जाते हैं। आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय (एमओएचयूए) के माध्यम से सरकार, जो शहरी परिवहन मामलों के लिए केंद्रीय लाइन मंत्रालय है, ने समय-समय पर सरकार द्वारा जारी विभिन्न मार्गदर्शन दस्तावेजों का सर्वोत्तम उपयोग करके शहरी परिवहन के क्षेत्र में अवधारणाओं की बेहतर योजना और कार्यान्वयन के लिए सिद्धांतों और कार्यनीतियों की पहचान करने में शहरों/शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी)/राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की सहायता के लिए नीति (राष्ट्रीय शहरी परिवहन नीति 2006) और अन्य विभिन्न मार्गदर्शक रूपरेखा को अधिसूचित किया है। सरकार व्यवस्थित शहरी परिवहन योजना के लिए व्यापक गतिशीलता योजना, व्यवहार्यता और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट आदि तैयार करने के लिए केंद्रीय वित्तीय सहायता भी प्रदान करती है। इसके अलावा, सरकार प्रधानमंत्री-ई-बस सेवा योजना जैसी केंद्रीय योजनाओं के माध्यम से मेट्रो रेल परियोजना, सिटी बसों के कार्यान्वयन के लिए केंद्रीय वित्तीय सहायता भी प्रदान करती है, जिससे शहरी सड़क पर भीड़भाड़ कम होती है।

*****